पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री इण्डियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के 54वें वार्षिक अधिवेशन 'ISNCON–2025' में सम्मिलित हुए

मुख्यमंत्री ने प्रो0 अमित गुप्ता को 'आई0एस0एन0 पायनियर' पुरस्कार तथा चिकित्सकों को लाइफ टाइम अचीवमेण्ट अवॉर्ड एवं एफ0आई0एस0एन0 अवॉर्ड प्रदान किए

'ISNCON–2025' की डिजिटल स्मारिका का विमोचन किया

क्रॉनिक किडनी डिजीज़ चुनौती के रूप में हमारे सामने, हमें बीमारी होने से पहले ही सावधानी की दिशा में लोगों को जागरूक करना होगा : मुख्यमंत्री

लोगों को नियमित व संयमित दिनचर्या के प्रति आग्रही बनाना होगा

चिकित्सक का उत्साह मरीज की आधी बीमारी को दूर कर देता, पी0जी0आई0 के चिकित्सक आत्मविश्वास के साथ मरीजों का उपचार करते

कॉन्फ्रेंस में क्रॉनिक किडनी डिजीज़ पर रिसर्च पेपर प्रकाशित होना चाहिए, प्रदेश सरकार इन महत्वपूर्ण सुझावों को लागू करेगी

उ0प्र0 का समग्र विकास सामूहिक प्रयासों से आगे बढ़ रहा

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन, टीमवर्क व चिकित्सकों के सहयोग से आज उ0प्र0 में 80 मेडिकल कॉलेज

आयुष्मान भारत योजना के तहत 5.5 करोड़ गोल्डन कार्ड गरीबों को प्रदान किए गए

सी0एम0 रिलीफ फण्ड के माध्यम से जरूरतमन्दों को 1,300 करोड़ रु0 उपचार के लिए उपलब्ध कराए गए

खेती में फर्टिलाइजर, पेस्टीसाइड व केमिकल के उपयोग को न्यूनतम करने की दिशा में प्रयास होने चाहिए, इसके लिए नेचुरल फार्मिंग आज की आवश्यकता

लखनऊ : 18 दिसम्बर, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी आज यहां एस0जी0पी0जी0आई0 में इण्डियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के 54वें वार्षिक अधिवेशन 'ISNCON–2025' में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने इण्टरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी की ओर से प्रो0 अमित गुप्ता को साउथ एशिया रीजन से दिया गया 'आई0एस0एन0 पायनियर' पुरस्कार प्रदान किया। मुख्यमंत्री जी ने 'ISNCON–2025' की डिजिटल स्मारिका का विमोचन किया। उन्होंने चिकित्सकों को लाइफ टाइम अचीवमेण्ट अवॉर्ड तथा एफ0आई0एस0एन0 अवॉर्ड प्रदान किए। ज्ञातव्य है कि एस0जी0पी0जी0आई0 के डिपार्टमेंट

ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा 18 से 21 दिसंबर, 2025 तक आयोजित कॉन्फ्रेंस का विषय 'एडवांसिंग किडनी केयर विथ इनोवेशन, प्रिसिजन विथ रीजनल एंड ग्लोबल इंपैक्ट' है।

मुख्यमंत्री जी ने अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में क्रॉनिक किडनी डिजीज़ चुनौती के रूप में हमारे सामने है। हमें बीमारी होने से पहले ही सावधानी की दिशा में लोगों को जागरूक करना होगा। तभी आने वाले खतरों के समाधान की दिशा में हम आगे बढ़ सकते हैं और क्रॉनिक किडनी डिजीज़ को महामारी बनने से रोक सकते हैं। यह मानवता के लिए एक बड़ा योगदान होगा। इससे बहुत सी जानें बचायी जा सकती हैं तथा हम लोगों को क्वालिटी ऑफ लाइफ देने में सफल हो सकते हैं। लोगों को नियमित व संयमित दिनचर्या के प्रति आग्रही बनाना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुल आबादी का लगभग 10 प्रतिशत क्रॉनिक किडनी डिजीज़ के दायरे में है। यह बीमारी तेजी से अपने पैर फैला रही है। यह अत्यन्त दुखद और भावुक करने वाला क्षण है कि छोटे–छोटे बच्चे भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। लोगों को यह बताना होगा कि जल का ज्यादा सेवन करें तथा अपना खानपान सही रखें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चिकित्सक का उत्साह मरीज की आधी बीमारी को दूर कर देता है। पी0जी0आई0 के चिकित्सक आत्मविश्वास के साथ मरीजों का उपचार करते हैं। कोविड महामारी के दौरान हमने इनकी तत्परता को देखा है। प्रदेश सरकार इनके सुझावों को लागू किया, जिससे प्रदेश की बड़ी आबादी को हम बेहतर कोविड प्रबन्धन दे पाए। सभी ने प्रोएक्टिव होकर टीमवर्क के रूप में कार्य किया, जिसके बेहतर परिणाम सामने आए। डॉ0 नारायण प्रसाद व उनकी टीम मजबूत इच्छाशक्ति से काम करती है। कॉन्फ्रेंस में क्रॉनिक किडनी डिजीज़ के सम्बन्ध में चेतावनी पर विचार होना चाहिए तथा इस पर रिसर्च पेपर भी प्रकाशित होना चाहिए। प्रदेश सरकार इन महत्वपूर्ण सुझावों को लागू करेगी। कॉन्फ्रेंस में आए डेलीगेट्स में से जो भी अयोध्या व काशी भ्रमण के लिए जाना चाहेंगे, प्रदेश सरकार उन्हें पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी के राज्य उत्तर प्रदेश का समग्र विकास सामूहिक प्रयासों से आगे बढ़ रहा है। इस प्रयास की दृष्टि से यह कॉन्फ्रेंस मील का पत्थर साबित होगी। वर्ष 1947 से लेकर वर्ष 2017 तक प्रदेश में मात्र 17 मेडिकल कॉलेज बन पाए थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन, टीमवर्क व

चिकित्सकों के सहयोग से आज उत्तर प्रदेश में 80 मेडिकल कॉलेज हैं। प्रदेश सरकार ने हर जनपद में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की प्रतिबद्धता से कार्य किया है।

राज्य सरकार द्वारा कोरोना कालखण्ड में हब एण्ड स्पोक मॉडल पर वर्चुअल आई0सी0यू0 स्थापित किए गए। एस0जी0पी0जी0आई0, के0जी0एम0यू0 तथा आर0एम0एल0 संस्थानों ने विभिन्न मेडिकल कॉलेजों व डिस्ट्रिक्ट लेवल हॉस्पिटल्स को वर्चुअल आई0सी0यू0 से जोड़ा और टेली–कन्सल्टेशन के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कीं। प्रदेश सरकार ने टेली–कन्सल्टेशन व टेली–आई0सी0यू0 की दिशा में तेजी से कार्य किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं पर हर व्यक्ति का अधिकार होना चाहिए। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के तहत 5.5 करोड़ गोल्डन कार्ड गरीबों को प्रदान किए गए हैं। सी0एम0 रिलीफ फण्ड के माध्यम से मात्र 01 वर्ष में प्रदेश के जरूरतमन्दों को 1,300 करोड़ रुपये उपचार के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश सरकार प्रत्येक जनपद में डायलिसिस की सुविधा दे रही है। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत हमने मरीजों को ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधा दी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में टॉप 03 रेवेन्यु सरप्लस स्टेट में उत्तर प्रदेश भी है। इसके लिए हमने टीमवर्क से मेहनत की। प्रदेश में सुरक्षा का माहौल दिया गया। उत्तर प्रदेश आज माफिया और दंगों से मुक्त हुआ है। आज प्रदेश 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज' की दिशा में अग्रसर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाएं संचालित हैं। ओ0डी0ओ0पी0 योजना के अन्तर्गत प्रदेश के हर जनपद के अपने यूनीक प्रोडक्ट हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दुनिया में जहां कहीं भी जाते हैं, वहां के नेताओं को अपने परम्परागत उद्यमियों व कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद भेंट करते हैं। उत्तर प्रदेश 02 लाख करोड़ रुपये के एम0एस0एम0ई0 प्रोडक्ट का निर्यात करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खेती में फर्टिलाइजर, पेस्टीसाइड व केमिकल के उपयोग को न्यूनतम करने की दिशा में प्रयास होने चाहिए। इसके लिए नेचुरल फार्मिंग आज की आवश्यकता है। लोगों को इसके प्रति आग्रही बनाना होगा। प्रधानमंत्री जी ने नेशनल

मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग की शुरुआत की है। उत्तर प्रदेश के 34 जनपदों को नेचुरल फार्मिंग से जोड़ा गया। इसमें बुन्देलखण्ड के 07 जनपद भी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बचाव के प्रयास बेहतर परिणाम ला सकते हैं। हमें उपचार से ज्यादा बचाव पर ध्यान देना होगा। एक समय उत्तर प्रदेश के 38 जनपदों में इन्सेफेलाइटिस की बीमारी प्रतिवर्ष सैकड़ों बच्चों की जान ले लेती थी। 40 वर्षों में लगभग 50 हजार बच्चों की मृत्यु इन्सेफेलाइटिस से हुई। इसके लिए हमने अन्तर्विभागीय समन्वय से बचाव के उपाय अपनाए तथा उपचार के लिए आवश्यक सुविधाएं दीं। आज इन्सेफेलाइटिस को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया गया है। यह हमारे लिए अत्यन्त संतोष का विषय बना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा है। लोगों को उत्तर प्रदेश में वह सब देखने को मिलता है, जो वे भारत में देखना चाहते हैं। प्रयागराज महाकुम्भ–2025 इस सदी का सबसे बड़ा समागम था, जिसमें 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु सम्मिलित हुए। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी भारत की आध्यात्मिक राजधानी है। प्रधानमंत्री जी वाराणसी से ही देश की संसद में प्रतिनिधित्व करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अयोध्या में लोगों का 500 वर्षों का इन्तजार समाप्त हुआ है। भगवान श्रीरामलला का भव्य मन्दिर अयोध्या में बन चुका है और वहाँ श्रीरामलला विराजमान हो चुके हैं। अयोध्या दुनिया की पहली सोलर सिटी बन चुकी है। प्रदेश सरकार अयोध्या को त्रेतायुगीन अयोध्या की भांति विकसित कर रही है। उत्तर प्रदेश में ही भगवान श्रीकृष्ण की पावन जन्मभूमि व लीलाभूमि है। भारत के पौराणिक ज्ञान की रचना नैमिषारण्य में हुई है। मुजफ्फरनगर स्थित शुकतीर्थ में 5,000 वर्ष पूर्व श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का पहला वाचन हुआ था। हस्तिनापुर भी उत्तर प्रदेश में ही स्थित है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महात्मा बुद्ध से जुड़े देश के सबसे अधिक तीर्थस्थल उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं, जिनमें कपिलवस्तु, सारनाथ, श्रावस्ती, कुशीनगर, संकिसा, कौशाम्बी आदि शामिल हैं। जैन परम्परा से जुड़े अनेक तीर्थस्थल उत्तर प्रदेश में ही अवस्थित हैं। 04 जैन तीर्थंकर अयोध्या, 04 जैन तीर्थंकर वाराणसी, 01 जैन तीर्थंकर श्रावस्ती में जन्मे। 24वें जैन तीर्थंकर भगवान महावीर की महापरिनिर्वाण स्थली उत्तर प्रदेश के जनपद

कुशीनगर के पावागढ़ में स्थित है। उत्तर प्रदेश अनेक सन्तों, ऋषि–मुनियों की भूमि रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह वर्ष सिख परम्परा के नवम् गुरु, गुरु तेग बहादुर जी महाराज का 350वाँ शहीदी वर्ष है। लखनऊ में गुरु तेग बहादुर जी महाराज की स्मृतियों से जुड़ा गुरुद्वारा आज भी मौजूद है। उत्तर प्रदेश, देश के प्रथम स्वातंत्र्य समर की भूमि भी रहा है। मंगल पाण्डेय बलिया के रहने वाले थे। मेरठ में धनसिंह कोतवाल के नेतृत्व में ब्रिटिश हुकूमत की जड़ों को हिलाने का कार्य किया गया था। मात्र 23 वर्ष की उम्र में झांसी की रानी महारानी लक्ष्मीबाई ने लड़ाई में अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। पं0 रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में लखनऊ स्थित काकोरी में ट्रेन एक्शन की घटना को अंजाम दिया गया था। देश की आजादी तथा विकास से जुड़े हर महत्वपूर्ण पड़ाव का स्थल उत्तर प्रदेश रहा है। विरासत के प्रति सम्मान का भाव हमारे विकास का आधार है।

उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारी अनियमित दिनचर्या से अनेक बीमारियों ने जन्म लिया है। जीवन संयमित और संतुलित रहेगा तो बीमारियां नहीं होंगी। हम बीमार ही न पड़ें, इस विषय पर भी कॉन्फ्रेंस में चर्चा होनी चाहिए। एस0जी0पी0जी0आई0 भारत के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से है। यह लोगों की उम्मीदों का केन्द्र है। मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि हमारे चिकित्सा संस्थान विश्वस्तरीय बनें। कॉन्फ्रेंस में होने वाली चर्चा का लाभ देश और दुनिया के चिकित्सकों को होगा।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री मयंकेश्वर शरण सिंह, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य श्री अमित कुमार घोष, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा श्रीमती अपर्णा यू0, इण्डियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष प्रो0 एच0एस0 कोहली, सेक्रेटरी डॉ0 श्याम बिहारी बंसल, एस0जी0पी0जी0आई0 के निदेशक प्रो0 आर0के0 धीमान, विभागाध्यक्ष नेफ्रोलॉजी प्रो0 नारायण प्रसाद, चिकित्सक एवं डेलीगेट्स उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Annual Conference on Nephrology-ISNCON-18 December, 2025.doc